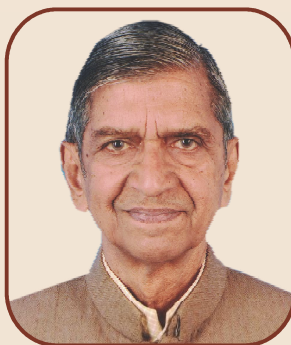


## Padma Shri



### **SHRI SURENDRA KISHORE**

Shri Surendra Kishore is a famous journalist from Bihar.

2. Born on 2<sup>nd</sup> January, 1947 in a farmer's family in the village of Bharahapur in Saran district in Bihar, Shri Kishore obtained a Bachelor of Arts (Honours) degree in History. Despite being a talented student, he did not go for a government service. Instead, he worked as a political activist and later as a journalist.

3. Shri Kishore has been pursuing journalism for the past five decades. After working as a freelancer, he entered mainstream journalism in 1977. He held important positions successively in major newspapers such as Dainik Aaj (1977-83), Jansatta (1983-2001), Dainik Hindustan (2001-2007), and Dainik Bhaskar (2013-16). Additionally, he continued to write for various magazines and newspapers like Dharmayug, Dinman, Ravivar, and others. Even today, he continues to work for leading newspapers and websites in the country.

4. Due to his dedication, hard work, and honesty, the editors of country's leading newspapers wanted to associate Shri Surendra Kishore with them. During his journalistic career, he has broken several news stories. His reports often led to discussions in the Bihar Legislative Assembly as also Indian Parliament. He was the one who took the interview of Shri Jayaprakash Narayan on important issues.

5. Shri Kishore had participated in many political movements. In 1969, he was arrested in New Delhi during a jan-andolan and he spent some time in Tihar Jail. He and his wife took active part in the JP Movement. During the Emergency, he was active across the country, including Bihar, along with George Fernandes.

6. Shri Kishore's rich personal library and reference collection attracts people even from outside Bihar and they come to consult the library. Dr. Namwar Singh and Jansatta's editor Shri Prabhash Joshi also visited Surendra ji's personal library. Shri Shambhunath Shukla, editor of several major newspapers in the country, wrote in April last year on his Facebook Wall about the top ten journalists in the country from whom he had learned a lot, he was one of them. Shri Harivansh, the Deputy Chairman of the Rajya Sabha, who himself is a renowned journalist wrote that honouring Shri Kishore was like honouring the disappearing glorious tradition of Hindi journalism. He described him as a walking and talking encyclopedia.

7. Shri Kishore is known for his humility, Gandhian simplicity and honesty. He is regarded as a saintly journalist. He never accepted any favour and even declined many local and regional awards.

## पद्म श्री



### श्री सुरेन्द्र किशोर

श्री सुरेन्द्र किशोर बिहार के प्रसिद्ध पत्रकार हैं।

- 2 जनवरी, 1947 को बिहार के सारण जिले के भराहापुर गांव के एक किसान परिवार में जन्मे श्री किशोर ने इतिहास में बीए (ऑनर्स) की डिग्री प्राप्त की। प्रतिभाशाली छात्र होने के बावजूद वह सरकारी नौकरी में नहीं गए, बल्कि उन्होंने एक राजनीतिक कार्यकर्ता और बाद में एक पत्रकार के रूप में काम किया।
- श्री किशोर पिछले पांच दशकों से पत्रकारिता कर रहे हैं। फ्रीलांसर के रूप में काम करने के बाद, उन्होंने 1977 में मुख्यधारा की पत्रकारिता में प्रवेश किया। उन्होंने दैनिक आज (1977-83), जनसत्ता (1983-2001), दैनिक हिंदुस्तान (2001-2007), और दैनिक भास्कर (2013-16) जैसे प्रमुख अखबारों में लगातार महत्वपूर्ण पद संभाले। इसके अलावा, उन्होंने विभिन्न पत्रिकाओं और समाचार पत्रों जैसे धर्मयुग, दिनमान, रविवार और अन्य के लिए लिखना जारी रखा। आज भी वह देश के प्रमुख अखबारों और वेबसाइटों के लिए काम करते रहते हैं।
- उनकी लगन, मेहनत और ईमानदारी के कारण देश के प्रमुख अखबारों के संपादक श्री सुरेन्द्र किशोर को अपने साथ जोड़ना चाहते थे। अपने पत्रकारिता करियर के दौरान उन्होंने कई खबरें ब्रेक की हैं। उनकी रिपोर्टों पर अक्सर बिहार विधान सभा और भारतीय संसद में चर्चा होती थी। उन्होंने महत्वपूर्ण मुद्दों पर श्री जयप्रकाश नारायण का साक्षात्कार लिया था।
- श्री किशोर ने कई राजनीतिक आंदोलनों में भाग लिया। 1969 में एक जन आंदोलन के दौरान नई दिल्ली में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और उन्होंने तिहाड़ जेल में कुछ समय बिताया। उन्होंने और उनकी पत्नी ने जेपी आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। आपातकाल के दौरान वह जॉर्ज फर्नांडिस के साथ बिहार समेत पूरे देश में सक्रिय थे।
- श्री किशोर का समृद्ध निजी पुस्तकालय और संदर्भ संग्रह बिहार के बाहर से भी लोगों को आकर्षित करता है और वे पुस्तकालय से परामर्श लेने आते हैं। डॉ. नामवर सिंह और जनसत्ता के संपादक श्री प्रभाष जोशी भी सुरेन्द्र जी की निजी लाइब्रेरी देखने आए। देश के कई प्रमुख अखबारों के संपादक रहे श्री शंभूनाथ शुक्ल ने पिछले साल अप्रैल में अपने फेसबुक वॉल पर देश के उन शीर्ष दस पत्रकारों के बारे में लिखा था जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा है, और श्री किशोर उनमें से एक थे। राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, जो स्वयं एक प्रसिद्ध पत्रकार हैं, ने लिखा कि श्री किशोर का सम्मान करना हिंदी पत्रकारिता की लुप्त हो रही गौरवशाली परंपरा का सम्मान करने जैसा है। उन्होंने उन्हें चलता-फिरता और बोलता विश्वकोश बताया।
- श्री किशोर अपनी विनम्रता, गांधीवादी सादगी और ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं। उन्हें एक संत पत्रकार माना जाता है। उन्होंने कभी किसी सिफारिश का सहारा नहीं लिया और कई स्थानीय व क्षेत्रीय पुरस्कार लेने से भी इंकार कर दिया।